नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व का शुभारंभ

खरना ग्रहण करने के बाद आज से शुरू होगा 36 घन्टे का निर्जला व्रत



लखनऊ। राजधानी में आज चार दिवसीय छठ महापर्व नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ। पर्व को लेकर शहर के बाजारों में छठ पूजा की जोरदार तैयारियां देखी गयी। पुराने लखनऊ से लेकर सभी क्षेत्रों की सब्जी मंडी और बाजारों में श्रद्धालु सूप, दउरा, नारियल, गन्ना, ताजे फल और अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी करते रहे। इसके अलावा वहीं जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न छठ घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया दिया गया। छठ पर्व के पहले दिन आज नहाय-खाय की परंपरा बखूबी निभायी। आज के दिन की शुरुआत व्रती महिलाओं ने स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण किये और सात्विक भोजन ग्रहण किया। इसमें मुख्य रूप से कद्दू-भात और चने की दाल बनायी जाती है। व्रती इस दिन केवल एक बार ही भोजन करते हैं।छठ महापर्व पर्व की कड़ी में कल 14 नवंबर को दूसरे दिन खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखेंगे और शाम को पूजा-अर्चना के बाद गुड़ की खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा और 15 नवंबर को तीसरे दिन संध्या अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन व्रती परिवार के सदस्यों और श्रद्धालुओं के साथ छठ घाटों पर पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों और पूजा-अर्चना के बीच माहौल भक्तिमय रहेगा।



शाकाहारी और सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं।इस दिन पारंपरिक रूप से लौकी या कद्दू की सब्जी चने की दाल और अरवा चावल भात बनाए जाते हैं।भोजन में लहसुन और प्याज का पूरी तरह से परहेज होता है और इसे बनाने में सेंधा नमक का उपयोग किया जाता है।

डीएम व संयुक्त पुलिस आयुक्त ने किया घाटों का निरीक्षण

लखनऊ। राजधानी में आज छठ पूजा पर्व को सकुशल, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी विशाख जी एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने कुड़िया घाट झूलेलाल पार्क घाट लक्ष्मण मेला पार्क तथा वैदेही मिथिला छठ पूजा घाट का निरीक्षण किया।इस दौरान अधिकारियों से घाटों पर चलरही तैयारियों श्रद्धालुओं के आवागमन सुरक्षा स्वच्छता प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को निर्देशित किया कि घाटों पर जलस्तर नियंत्रित रखने के साथ ही जल की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। नगर निगम को घाटों की नियमित साफ-सफाई कूड़ा निस्तारण प्रकाश व्यवस्था व आवश्यकता अनुसार अस्थायी लाइटों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संध्या एवं प्रात:कालीन अर्घ्य के दौरान पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध रहे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति घाटों पर कचरा व गंदगी न फैलाने पाये।जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के 35 दिन बाद सीन रिक्रिएशन

हत्या, हादसा या खुदकुशी में उलझी पुलिस, श्रद्धा दुबे के फ्लैट से फेंका गया पुतला

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या हुई है, उसने खुदकुशी या फिर यह हादसा है। इसका खुलासा करने के लिए पुलिस ने घटना के 35 दिन बार उस मंजर को दोहराया है। फारेंसिक और मेडिको लीगल टीम ने शिवा शर्मा की लिव इन पार्टनर श्रद्धा दुबे के फ्लैट से पुतले को दो अलग-अलग परिस्थितियों में नीचे फेंककर यह समझने की कोशिश की कि शिवा को धक्का दिया गया था या उन्होंने खुद छलांग लगाई थी। करीब तीन घंटे तक चले सीन रिक्रिएशन में दोनों संभावनाओं को परखा गया। शुक्रवार को दोपहर करीब 2.30 बजे फारेंसिक और मेडिकोलीगल टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने पहले शिवा के वजन का पुतला तैयार कराया और उसे श्रद्धा के फ्लैट से दो बार नीचे फेंका। पहली बार पुतले को धक्का देकर गिराया गया, जबकि दूसरी बार आत्महत्या की स्थिति मानकर फेंका गया। अपार्टमेंट के फ्लैट और बालकनी में सीन रिक्रिएशन किया गया। जिसमें पुतले को तीन तरीकों से गिराकर परीक्षण किया गया। पुलिस हत्या, आत्महत्या या हादसा तीनों एंगल पर जांच कर रही है। फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर शिवा शर्मा की मौत के मामले की जांच को दिशा मिलेगी। इस प्रकरण में शिवा शर्मा की लिव इन पार्टनर श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर जेल में बंद हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, धक्का देने के हालात में पुतला ठीक उसी स्थान पर गिरा, जहां घटना के बाद शिवा का शव मिला था। आत्महत्या की संभावना के आधार पर पुतला फेंकने पर वह शव मिलने के स्थान से कुछ दूरी पहले ही गिर गया। इस अंतर को जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस किसी एक संभावना को अंतिम निष्कर्ष नहीं मान रही है। फारेंसिक टीम ने घटनास्थल की परिस्थितियों, गिरने की दिशा और अन्य तकनीकी बिन्दुओं का परीक्षण किया। अब टीम की रिपोर्ट का इंतजार है। पुलिस उपायुक्त मध्य अर्पित विजयवर्गीय के मुताबिक, सात दिन में रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। इसके आधार पर विवेचना में वैज्ञानिक साक्ष्यों को शामिल किया जाएगा, ताकि कोर्ट में जांच पर सवाल न उठ सकें। इस सीन रिक्रिएशन के दौरान एसीपी हजरतगंज अभिषेक कुमार पांडेय, इंस्पेक्टर हजरतगंज शिवानंद मिश्रा समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। टीम की गतिविधियां देखने के लिए आसपास के लोग अपने फ्लैटों की खिड़कियों पर आ गए। कुछ लोगों ने घटनाक्रम की तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर भी साझा कीं। पूरे घटनाक्रम के दौरान शिवा की मां रंजना मौके पर नजर नहीं आईं।

जांच में यह हुआ: शिवा की मौत के बाद उनकी मां रंजना की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। विवेचना में श्रद्धा, रश्मि, दानिश और तनवीर समेत अन्य लोगों की भूमिका सामने आई। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दबिश दी। मामले में श्रद्धा को नागपुर से गिरफ्तार किया गया था। मुख्य आरोपियों में शामिल आमिर की गिरफ्तारी को लेकर भी पुलिस की कार्रवाई जारी रही। तत्कालीन इंस्पेक्टर विक्रम सिंह को मामले में लापरवाही के चलते लाइन हाजिर किया गया था। पुलिस ने पहले घोषित 25 हजार रुपये के इनाम को बढ़ाकर 50 हजार रुपये किया था। अब सीन रिक्रिएशन के जरिए पुलिस घटनाक्रम की वैज्ञानिक पुष्टि करना चाहती है। **यह है पूरा मामला:** नौ अक्टूबर को प्रागनारायण रोड पर अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरकर 27 वर्षीय कैफे संचालक शिवा शर्मा की मौत हो गई थी। घटना के बाद मां रंजना ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या बताते हुए श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे, चालक दानिश उर्फ तनवीर और अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनका आरोप था कि शिवा को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था और इसी के चलते उन्हें चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया गया। घटना के वक्त फ्लैट में शिवा, श्रद्धा, रश्मि और एक नौकरानी मौजूद थी। पूछताछ में श्रद्धा व रश्मि ने खुद को अलग कमरों में होने की बात कही थी, जबकि नौकरानी के बयान में तीनों के शिवा के कमरे में होने की बात सामने आई थी। यही विरोधाभास पुलिस की जांच का अहम बिंदु बना। आरोपितों की तरफ से शिवा की मौत को आत्महत्या बताया गया था। इस पर दोनों पक्षों के दावों की पड़ताल के लिए पुलिस ने साक्ष्य जुटाए।

तिहरे हत्याकांड के आरोपी के तीनों मकान पूरी तरह ध्वस्त

लखनऊ,आज समाचार सेवा। सआदतगंज तिहरे हत्याकांड के आरोपी ऋषभ शुक्ला के तीनों मकानों को शुक्रवार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया। बृहस्पतिवार दोपहर को शुरु हुई कार्रवाई शुक्रवार दोपहर तक चली। तीनों मकान में जो सामान बाहर निकाला गया है उसे एलडीए के लालबाग स्थित पुराने ऑफिस के एक कमरे में रख कर सील कर दिया गया है। एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि कार्रवाई में दो दिन इसलिए लगे क्योंकि एक करीब 300 वर्ग फीट वाला मकान पतली गली में था और उससे सटे अन्य मकान भी दूसरे लोगों के थे। ऐसे में वहां तक बुलडोजर को ले जाने और फिर तोड़ने में काफी समय लगा। दोपहर तक उसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। आरोपी के जो तीन मकान ध्वस्त किए गए हैं वह बंद थे और वहां कोई रह नहीं रहा था। इस कारण उनमें जो सामान था । उसे मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में निकाला गया और लालबाग में एलडीए के पुराने ऑफिस में रखा गया है

दूसरे दिन भी चला एलडीए का बुलडोजर

,क्योंकि पुलिस का कहना था कि उसके पास सामान रखने की जगह नहीं है। अब यह सामान कोर्ट के आदेश पर ही छोड़ा जाएगा। जो सामान मिला है ,उसमें सोफा, बेड, अलमारी, सिलाई मशीन, इंडक्शन, पुरानी मोटर साइकिल, बिस्तर, बर्तन आदि घरेलू सामान ही है। एलडीए उप सचिव माधवेश कुमार ने बताया कि आरोपी का एक मकान करीब 300 वर्ग फीट का एक मंजिला बना था, दूसरा 1000 वर्ग फीट का एक मंजिला बना था और तीसरा करीब 3000 वर्ग फीट का था। इसमें कुछ दुकानें और पार्किंग बनी थी। बाकी में कुछ नहीं बना था। यह सभी निर्माण अवैध थे। इनका मानचित्र एलडीए से पास नहीं था। मकानों को ध्वस्त करने के बाद एलडीए ने मकानों का मलवा वहीं पर छोड़ दिया है। सिर्फ उसी मलवे को हटाया गया है जो सड़क पर आ रहा था। इसको लेकर अधिकारियों का कहना है कि मलवा मकान वाले का है। अलीगंज अग्निकांड हादसे के बाद जो बिल्डिंग ध्वस्त की गई थी उसका मलवा भी उसकी जमीन पर छोड़ दिया गया था। एलडीए सचिव सुशील प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी से बिल्डिंग ध्वस्तीकरण पर आए खर्च की वसूली को लेकर अभी कोई आदेश नहीं किया है। इलाके के किसी अन्य मकानों पर अभी कोई कार्रवाई नहीं की जानी है। आरोपी के मकान में कुछ जमीन सड़क व नजूल की थी बाकी ज्यादातर निजी निकली है।

अयोध्या के युवक ने चिपकाया ट्रेन में बम की धमकी, लखनऊ से गिरफ्तार

लखनऊ । वाराणसी-लखनऊ इंटरसिटी (ट्रेन नंबर 14225/26) के दो जनरल कोच में 11 नवंबर को ट्रेन में बम की धमकी और सांप्रदायिक संदेश चिपकाने वाले अयोध्या के युवक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है। गवर्नमेंट रेलवे पुलिस ने 28 वर्षीय युवक को लखनऊ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर आठ-नौ के पास गिरफ्तार किया है।

जीआरपी के लखनऊ मीडिया सेल ने बताया कि आरोपी की पहचान मोहम्मद शारिक के रूप में हुई है, जो अयोध्या जिले के अंसार नगर का रहने वाला है। उसे रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 8/9 के पास से गिरफ्तार किया गया। उस पर लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में हाथ से लिखे ऐसे संदेश चिपकाने का आरोप है, जिनमें सांप्रदायिक टिप्पणियां थीं और ट्रेन को उड़ाने की धमकी दी गई थी।जीआरपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने एक महिला को बदनाम करने और परेशान करने के लिए ये संदेश लगाए थे। महिला के साथ उसका प्रेम संबंध था, लेकिन बाद में वह उसे छोड़कर चली गई थी। आरोपी के पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है और उसका पहले का कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं है।पुलिस के अनुसार, 11 नवंबर को वाराणसी-लखनऊ इंटरसिटी (ट्रेन नंबर 14225/26) के दो जनरल कोच में शौचालय की खिड़कियों और शीशों के पीछे हाथ से लिखे नोट चिपकाए गए थे। इनमें आपत्तिजनक बातें थीं, जिनका मकसद धार्मिक और सांप्रदायिक नफरत फैलाना था, साथ ही इनमें विस्फोट करने की धमकी भी दी गई थी।इस घटना की जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई थीं।

जीके गोस्वामी का कार्यकाल बढ़ा, एक साल और रहेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने डॉ. जीके गोस्वामी का कार्यकाल एक साल और बढ़ा दिया है। वह अब उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज, लखनऊ में निदेशक के पद पर एक साल तक और बने रहेंगे। गृह (पुलिस सेवाएं) अनुभाग-2 की ओर से 13 नवंबर 2026 को जारी कार्यालय-ज्ञाप में यह स्वीकृति दी गई है। आदेश में कहा गया है कि डॉ. जीके गोस्वामी, आईपीएस-आरआर 1997 (सेनि0) को निदेशक के पद पर अधिकतम एक वर्ष अथवा शासन के अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, के लिए सेवायोजित किया जाएगा। उनकी सेवा शर्तें पूर्व की भांति यथावत रहेंगी।

पुरानी रंजिश में युवक का सिर फोड़ा, मुकदमा

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। जानकीपुरम के मड़ियांव गांव में मंगलवार देर रात पुरानी रंजिश में अंकित कुमार कनौजिया पर जानलेवा हमला हुआ। पुलिस पीड़ित को घायलावस्था में जानकीपुरम ट्रॉमा सेंटर लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसके सिर में करीब 10 टांके लगाए है। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने दबाव बनाकर तहरीर बदलवाया, फिर घटना के तीसरे दिन हल्की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज किया है। मड़ियांव गांव, जानकीपुरम निवासी अंकित कुमार कनौजिया के मुताबिक मंगलवार रात करीब 10:30 बजे तिकोनिया पार्क मॉडल शॉप पर खड़े थे। आरोप है कि तीन साल पुरानी रंजिश में गांव के निक्की उर्फ कपिल मिश्रा, अविनाश यादव उसे देखते ही गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित घर वापस लौट रहा था, तभी मड़ियांव गांव देसी शराब के ठेके के पास मौजूद आरोपी अपने तीन-चार साथियों के साथ उसकी बाइक के आगे खड़े हो गए और बाइक रोक ली।

संक्षिप्त

बाइक सवार को बचाने में गड्ढे में उतरी बस, 60 यात्री बाल-बाल बचे

मलिहाबाद। बाइक सवार को बचाने के प्रयास में एक निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा पहुंची। गनीमत रही कि बस में सवार करीब 60 यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। बताते चलें कि माल थाना अंतर्गत थरी गांव निवासी सरोहन 6 तारीख को गांव से करीब 60 लोगों को लेकर निजी बस यूपी 32 सी जेड 9635 से नैमिषारण्य होते हुए मथुरा दर्शन करने गए थे। शुक्रवार को वापस लौटते समय करीब 5 बजे ढकवा मोड़ के निकट अचानक एक बाइक सवार बस के सामने आ गया।उसे बचाने के लिए चालक ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे बस असंतुलित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जाकर रुक गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद यात्री अन्य साधनों से अपने-अपने घरों के लिए रवाना हो गए इंस्पेक्टर सुरेंद्र भाटी ने बताया कि सभी यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचा दिया गया है। बस में किसी को चोट नहीं आई है, सभी यात्री सुरक्षित हैं।

महिला का सड़क किनारे मिला शव, हत्या का आरोप

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। गोमतीनगर में एक महिला का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। उसके शरीर पर चोट के निशान मौजूद थे। इस मामले में घरवालों का आरोप है कि लिव इन में रह रहे युवक ने उसकी हत्या करके शव को फेंका है। फिलहाल, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह ज्ञात हो सकेगी। पुलिस के मुताबिक गोमती नगर स्थित उजरियांव स्थित भीम नगर की रहने वाली सुधा गौतम 26 वर्षीय का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। पुलिस ने उसकी शिनाख्त करते हुए घरवालों को सूचना दी। इस मामले में भाई कमलेश ने बताया कि करीब एक साल पहले उनकी बहन सुधा ने पति को छोड़ दिया था। वह जुगौली में टीटू नामक एक युवक के साथ रह रही थी। उसका एक बेटा व बेटी ननिहाल में रहते हैं। भाई ने बताया कि गुरुवार दोपहर को एक परचित ने उन्हें फोन करके बताया कि उनकी बहन का शव सड़क किनारे पड़ा है। वे लोग जब पहुंचे तो देखा कि सुधा के शरीर पर चोट के निशान थे। उनका आरोप है कि टीटू ने उनकी बहन की हत्या करके शव को फेंक दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घरवालों की ओर से मिलने वाली तहरीर पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला, दहेज हत्या का आरोप

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। सआदतगंज में एक विवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला। इस मामले में घरवालों दहेज को लेकर प्रताड़ना और हत्या करके शव को लटकाए जाने का आरोप लगाया है। अयोध्या के सैदपुर निवासी नाजिया की शादी दो साल पहले सआदतगंज के बिस्मिल नगर कम्पवैल रोड निवासी निसार से हुई थी। निसार जरदोजी कारीगर है। उनकी एक बेटी है। आरोप है कि निकाह के कुछ दिन नाजिया को प्रताड़ित किया जाने लगा। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को नाजिया का शरीर फंदे पर लटका मिला। उसकी सांसे चल रही थी। ससुराल वालों ने उसे नीचे उतारा और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में मां नासिरा ने पति, देवर और ननद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। आरोप है कि शादी के बाद से पति निसार उसे बेटी से दहेज की मांग करते हुए प्रताड़ित करता था। आरोप है कि नाजिया की हत्या करके फंदे से लटका दिया और आत्महत्या का रूप दे दिया।

किशोरी लापता, सोशल मीडिया पर दोस्त के साथ भागने का आरोप

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। आशियाना में दो दिन पहले 16 वर्षीय किशोरी घर से लापता हो गई। उसकी तलाश कर रहे पिता ने उसके सोशल मीडिया के फ्रेंड पर किशोरी को बहला फुसलाकर भाग ले जाने का आरोप लगया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी व आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। सीसी फुटेज में वह बैग के साथ जाती दिखाई दी है।मूलत: बाराबंकी में रहने वाला एक परिवार पिछले करीब 16 वर्षों से आशियाना के इलाके में रहता है। पिता के मुताबिक, वह बीते 11 नवंबर की रात अपने पैतृक गांव से लखनऊ स्थित आवास लौटे थे। 12 नवंबर की सुबह जब वह सोकर उठे तो उनकी 16 वर्षीय बेटी घर से गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कुछ पता नहीं चला, तब टेंट हाउस के आसपास लगे सीसी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में रात करीब 12:40 बजे उनकी किशोरी हाथ में बैग लिए सड़क से जाती हुई दिखाई दी। इसके बाद घर पर रखे फोन की जांच की गई तो पता चला कि वह सोशल मीडिया के फ्रेंड आकाश राजपूत नाम के एक युवक के संपर्क में थी और उससे बातचीत करती थी। पिता ने जब आकाश के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो वह भी स्विच ऑफ मिला। पिता ने आकाश राजपूत पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए आशियाना थाने में नामजद शिकायत दर्ज कराई है। आशियाना थाना इंचार्ज गजेन्द्र कुमार राय ने बताया कि पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और लापता किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए दबिश व तलाश की जा रही है।

प्रोफेसर समेत चार लोगों के मकान से पार किए लाखों की नगदी

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। राजधानी में चोरों ने आतंक मचा रखा है। चोरों ने प्रोफेसर समेत चार लोगों के फ्लैट और मकान से लाखों के जेवर-नगदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने हसनगंज, गाजीपुर, चिनहट और कृष्णानगर इलाकों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में बने फ्लैट में प्रोफेसर डॉ. अमरेंद्र कुमार परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि वह छह नवम्बर को परिवार के साथ दीपावली मनाने गांव गए थे। 11 नवंबर को लौटने पर उन्हें फ्लैट का दरवाजा टूटा मिला। अलमारी के लॉकर भी टूटे थे। उसमें रखे सोने और हीरे के कीमती जेवर और 30 हजार रुपये नकद गायब थे। इंस्पेक्टर हसनगंज चितवन कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है। फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उधर, इंदिरानगर के पटेलनगर निवासी अभय सिंह ने बताया कि आठ नवंबर की सुबह करीब छह बजे वह त्योहार पर गांव गए थे।

इलाज का बिल न अदा करने पर अस्पताल प्रबंधन ने किशोरी को बनाया बंधक

लखनऊ। दुबग्गा स्थित एक निजी अस्पताल पर दिमागी बुखार से पीड़ित एक किशोरी को इलाज का बिल ढाई लाख का भुगतान न करने पर तीन दिन से बंधक बनाये रखने का आरोप लगा है। शुक्रवार शाम को पीड़ित किशोरी के परिजनों ने इलाज में अधिक बिल को लेकर दुबग्गा पुलिस से शिकायत की है। परिजनों ने आरोप लगाया कि बिल का भुगतान न करने से अस्पताल प्रबंधन तीन दिनों से मरीज को बंधक बनाए हुए है। सीतापुर निवासी मजदूर मौना बुखार से पीड़ित अपनी 13 वर्षीय बेटी सोनम को लेकर बीती 3 नवंबर को केजीएमयू पहुंचे थे। जहां दलाल उन्हें अच्छा इलाज का भरोसा दिलाकर दुबग्गा के यादव बाजार स्थित लखनऊ तुसली हॉस्पिटल ले आया। वहां मौना ने इलाज के खर्च के लिए आयुष्मान कार्ड को दिखाया। हॉस्पिटल प्रशासन ने सर्वर न चलने का हवाला देकर आयुष्मान कार्ड न चलने की बात कहीं। मौना के अनुसार जांच के नाम 70 हजार रुपये नगद दिये। बीती 10 नवंबर को बेटी सही हो गई। डिस्चार्ज के समय हॉस्पिटल प्रशासन ने करीब एक लाख 53 हजार का डिस्चार्ज बिल बनाया। जिसका भुगतान न कर पाने पर किशोरी को तीन दिन अस्पताल में रोक दिया गया। शुक्रवार शाम में सीतापुर स्थित गांव से आये ग्रामीणों के साथ मजदूर मौना दुबग्गा पुलिस के पास पंहुचा। इलाज में करीब तीन लाख बिल बनाने की शिकायत की। साथ ही बेटी को बंधक बनाए जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि बिल के भुगतान की वजह से मरीज को रोका गया था। अधिक बिल को लेकर अस्पताल प्रशासन से बात की जा रही है। वहीं अस्पताल संचालक देश राज यादव ने बताया कि मरीज को बंधक नहीं बनाया गया है। उनके यहां आयुष्मान कार्ड नहीं चलता है। मरीज दिमागी बुखार से पीड़ित थी। जिसका इलाज करके सही कर दिया गया।

प्लाट के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाली कम्पनी पर दो और मुकदमें

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। आवासीय योजना में ईएमआई पर प्लॉट देने के नाम पर करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने वाली रियल एस्टेट कंपनी एमजी बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के खिलाफ दो और पीड़ितों ने आरोप लगाए है। आशियाना व कानपुरनगर के रहने वालों ने 17.20 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। रजिस्ट्री के लिए संपर्क करने पर निदेशक व अन्य ने धमकाया। विभूतिखंड पुलिस ने निदेशक समेत चार के खिलाफ दो मामले दर्ज कर लिए हैं। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। कानपुर रोड स्थित मानसरोवर योजना सेक्टर-ओ निवासी विशाल शुक्ला और कानपुर के साकेतनगर स्थित जूही कॉलोनी निवासी आरती शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2018 में लखनऊ में प्लॉट खरीदने के लिए एमजी बिल्डर्स एंड डेवलपर्स में संपर्क किया। कंपनी कर्मचारियों ने उन्हें बिजनौर के ग्राम औरावां में ईएमआई पर आवासीय योजना बतायी। 1500-1500 वर्गफीट का प्लॉट बुक कर नकद व ईएमआई पर विशाल ने 8.70 लाख रुपये और किरन ने 8.50 लाख रुपये का भुगतान किया था।

गोलागंज के एसए अपार्टमेंट पर अब चलेगा बुलडोजर

लखनऊ,आज समाचार सेवा। गोलागंज के अवैध एसए अपार्टमेंट पर अब किसी भी दिन लखनऊ विकास प्राधिकरण प्रशासन अपना बुलडोजर चल सकता है ,क्योंकि एलडीए की ओर से बिल्डर को खुद तोड़ने के लिए दी गई मोहलत का समय पूरा हो चुका है। विदित है की बीते माह 23 अक्तूबर को एलडीए की ओर से सुनवायी के पश्चात अपार्टमेंट को ध्वस्त करने का आदेश जारी किया गया था। जिसमें 15 दिन का समय बिल्डर को खुद तोड़ने के लिए दिया गया था। इससे पहले करीब दो महीने पहले गोलागंज के बारूदखाना स्थित एसए अपार्टमेंट का एक पिलर अचानक टूट गया था। इसके बाद लोग परिवार समेत अपार्टमेंट से भागकर बाहर निकले थे। इसके बाद से पूरा अपार्टमेंट खाली है। बिल्डिंग में कोई जा न सके इसके लिए उसे ग्रीन नेट से घेर भी दिया गया है। इस पर एलडीए की नोटिस भी चस्पा है। अपार्टमेंट से लोग सामान निकाल सकें इसके लिए उसे जैक लगाकर सुरक्षित कराया गया था। इसके लिए विशेष टीम लगाई गई थी। इसके बाद एक-एक घर लोगों ने अपना सामान भी अपार्टमेंट से निकाल लिया है। जानकारों का कहना है कि तीन-चार फ्लैटों में ही अब सामान होगा क्योंकि वह लोग शायद शहर से बाहर हैं। एसए अपार्टमेंट का नक्शा तो पास हुआ था ,लेकिन बिल्डिंग की निर्माण गुणवत्ता जिस तरह से घटिया है उस हिसाब से यह सुरक्षित नहीं है। ऐसे में इस पूरे अपार्टमेंट को ही ध्वस्त किया जाएगा। एलडीए के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह की ओर से बिल्डर को 15 दिन नोटिस जारी किया गया थ। इस पर विहित प्राधिकारी कोर्ट में हुई सुनवाई हुई और 15 दिन पहले ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया। मालूम हो की पिलर टूटने के बाद एलडीए की ओर से अपार्टमेंट को जैक लगाकर सुरक्षित किया गया था , ताकि लोग अपना सामान निकाल सकें। इसके बाद सेफ्टी ऑडिट भी विशेष टीम से कराया गया। जिसमें यह सामने आया कि बिल्डिंग की जो हालत है उस हिसाब से यह रहने लायक नहीं बची है और इसे पूरी तरह गिराया जाना ही सुरक्षित विकल्प है। जांच के दौरान यह भी सामने आया था कि मानचित्र तीन मंजिल का पास कराया गया था और अवैध रूप से छह मंजिल निर्माण किया गया था। इसको लेकर एलडीए की ओर से पूर्व में ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया गया था । लेकिन जब बिल्डिंग का पिलर टूटा तो नए सिरे से पूरी बिल्डिंग को गिराने का नोटिस जारी किया गया।

एक सप्ताह में कार्ययोजना बनाकर होगी कारवाई- उपाध्यक्ष

एसए अपार्टमेंट का ध्वस्तीकरण आदेश पहले ही जारी हो चुका है और बिल्डर को खुद तोड़ने के लिए दिया गया समय भी पूरा हो गया। अब एलडीए की टीम इसे तोड़ेगी। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। वह एक सप्ताह के अंदर कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई शुरू करेंगे।

जांच में रहने लायक नहीं मिला था अपार्टमेंट

समाज के प्रत्येक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण हृदय चिकित्सा पहुंचाना हमारा लक्ष्य - प्रो भुवन तिवारी

धूमधाम से मनाया गया डॉ.आरएमएलआईएमएस के कार्डियोलॉजी विभाग का 15वां स्थापना दिवस

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)।अत्याधुनिक हृदय चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के जरिये बेहतर उपचार और मरीजों की सुरक्षा एवं समाज के प्रत्येक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण हृदय चिकित्सा पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। उक्त उद्गार गुरुवार को डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के कार्डियोलॉजी विभाग के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो भुवन चंद्र तिवारी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा वर्ष 2011 में हमारी यात्रा



गुणवत्तापूर्ण हृदय चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ हुई थी। पिछले 15 वर्षों में हमने न केवल संसाधनों एवं चिकित्सा प्रक्रियाओं की संख्या में वृद्धि की है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा, शोध एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि स्थापना से अब तक लगभग पांच लाख ओपीडी परामर्श एवं 51 हजार से अधिक मरीजों को भर्ती कर उपचार प्रदान किया गया। इस अवसर पर हृदय रोगियों की सेवाएं चिकित्सा शिक्षा, शोध एवं आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के क्षेत्र में विभाग की 15 वर्षों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। कार्डियोलॉजी विभाग के स्थापना दिवस पर संस्थान के निदेशक प्रो सीएम सिंह ने कार्डियोलॉजी विभाग की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि विभाग ने मरीजों के उपचार, आधुनिक तकनीक, चिकित्सा शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। संस्थान का लक्ष्य कार्डियोलॉजी विभाग की क्षमताओं को और सुदृढ़ करते हुए इसे उन्नत एवं व्यापक हृदय चिकित्सा के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करना है। स्थापना दिवस समारोह का विशेष आकर्षण कार्डियोलॉजी विभाग के स्वयं के एंथम विभागीय गीत का लोकार्पण रहा। यह गीत विभाग की विकास यात्रा, टीम भावना, समर्पण एवं जीवन बचाने के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केयरिंग हार्ट्स की भावना को अभिव्यक्त करने वाले इस गीत की सभी गणमान्य अतिथियों एवं उपस्थित लोगों ने भरपूर सराहना की। इसने समारोह को भावनात्मक एवं यादगार बना दिया। इस अवसर पर विभाग में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए नर्सिंग अधिकारियों, कार्डियोलॉजी तकनीशियनों एवं वार्ड अटेंडेंट्स को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं मरीजों की देखभाल में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प